राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल

सम्पर्क सरिता

वर्ष 14 अंक 03, मई–जून 2013

आईसर का प्रथम दीक्षांत समारोह

विज्ञान के सही प्रयोग से समाज की तरक्की संभव : डॉ. पल्लम राजू

आज के समय में समाज की तरक्की और गरीब तबके के उन्नयन के लिए एक मात्र साधन विज्ञान एवं वैज्ञानिक ज्ञान का सही उपयोग और सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का उपयोग ही है। यह बात भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ. एम.एम. पल्लम राजू ने भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल के प्रथम दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए कही। उन्होंने कहा कि वर्तमान अकादमिक क्रांति देश के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू की समृद्ध विरासत है जिन्होंने स्वतंत्रता प्राप्ति के प्रारंभिक वर्षों में ऐसे अनेक संस्थान प्रारम्भ किए। आईआईएसईआर, भौरी स्थित मुख्य परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में श्री राजू ने कहा कि मानव संसाधन विकास मंत्रालय के द्वारा आईआईटी, आईआईएसईआर, आईआईएम, ट्रिपल आईटीएम, एसपीए, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, एम्स आदि वैज्ञानिक संस्थानों की स्थापना से भारत के युवाओं को उक्त क्षेत्रों में अध्ययन एवं शोध के द्वारा कैरियर चुनने के पर्याप्त अवसर मिले हैं। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित प्रधानमंत्री की वैज्ञानिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष रसायनशास्त्री प्रो. सी.एन.आर. राव को जीवन पर्यन्त उत्कृष्ट योगदान के लिये डॉक्टर ऑफ साइंस की मानद उपाधि प्रदान की गई। संस्थान के अध्यक्ष संचालक मण्डल प्रो. माधव गाडगिल ने कार्यक्रम की अध्यक्षता के साथ छात्रों को मेडल प्रदान किये। संस्थान के निदेशक प्रो. विनोद कुमार सिंह ने छात्रों को डिग्री प्रदान की। इस कार्यक्रम में एनआईटीटीटीआर के निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल व स्कूल ऑफ प्लानिंग एण्ड आर्कीटेक्चर के निदेशक प्रो. अजय खरे भी उपस्थित थे। प्रो. विजय अग्रवाल ने आईसर भोपाल के निदेशक निवास पर डॉ. एम.एम. पल्लम राजू को अनौपचारिक चर्चा में संस्थान की गतिविधियों से अवगत कराया एवं संस्थान में आमंत्रित किया। डॉ. एम.एम. पल्लम राजू ने निकट भविष्य में एनआईटीटीटीआर, भोपाल आने हेतु आश्वस्त किया।

रिसर्च से होगा सभी समस्याओं का समाधान : प्रो. सी.एन.आर. राव

यदि हमारे युवा शोध के क्षेत्र में कुछ करना चाहते हैं तो उन्हें आने वाले 20 वर्षो में ऊर्जा की समस्या के निदान के लिए कार्य करना होगा। दुर्भाग्य से विश्व के पैमाने पर भारत की शोध के क्षेत्र में स्थिति बहुत खराब है। हमारी तुलना में चीन ने अमेरिका की बराबरी कर ली है लेकिन हम अभी भी इस ओर उदासीन हैं। इसलिए जरूरी है कि हम अभी से इस दिशा में काम करें। उक्त विचार पदम विभूषण प्रो. सी.एन.आर. राव ने एनआईटीटीटीआर, भोपाल में ''सेलिब्रेशन ऑफ साइंस'' विषय पर व्याख्यान देते हुए कहे। प्रो. राव ने कहा कि यदि आप अच्छे वैज्ञानिक बनना चाहते हैं तो सब कुछ भूलकर लगातार दिन–रात काम करना होगा। अन्यथा आप बड़े वैज्ञानिकों के कन्धों पर ही बैठे रहेंगे। हमारे युवाओं में वैज्ञानिक सोच विकसित होना जरूरी है। उनके लिये

प्रो. सी.एन.आर. राव को सम्मानित करते प्रो. विजय अग्रवाल

शेष पृष्ठ 2 पर...

....पिछले पृष्ठ का शेष

शोध पत्र एवं पुरस्कारों की संख्या के स्थान पर गुणवत्ता जरूरी होना चाहिए। विज्ञान के विभिन्न विषयों के बीच सीमा बन्धन न होकर अंतर्विषयी शोध होना चाहिए। प्रो. राव ने पिछले सौ वर्षो में केमिस्ट्री के क्षेत्र में हुए क्रमिक विकास व नोबल पुरस्कार प्राप्त वैज्ञानिकों के शोध कार्यो के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने रोचक उदाहरणों द्वारा बताया की किस तरह से जिज्ञासा और लगन से काम करने वाले शोधार्थी बड़े वैज्ञानिक बने हैं। हमें चीन के डेडीकेशन से सीखना होगा। शोध के क्षेत्र में आज भी महिलाएँ आगे नहीं आ रही हैं। उन्होंने बताया कि 21वीं शताब्दी में जीवन के हर क्षेत्र में नई चुनौतियां आने वाली हैं। जिनमें ऊर्जा, पर्यावरण एवं प्रदूषण जैसे क्षेत्र महत्वपूर्ण होंगे। भविष्य में ऊर्जा की आवश्यकता और उसकी पूर्ति के लिये पानी प्रमुख स्त्रोत के रूप में कार्य करेगा। हमें ऊर्जा के विभिन्न वैकल्पिक स्त्रोत व ग्रीन टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में काम करना होगा। संस्थान के निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल ने प्रो. राव का स्वागत करते हुए भारत सरकार द्वारा प्रायोजित प्रो. एस.एस. भटनागर मेमोरियल व्याख्यान माला के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस प्रकार के व्याख्यान का उद्देश्य हमारे विद्यार्थियों में वैज्ञानिक चेतना को जाग्रत करना है। इस प्रकार के आयोजन से शहर के विद्यार्थियों को विज्ञान की विभिन्न शाखाओं से जुड़े वैज्ञानिकों से सीधे संवाद करने का अवसर मिलता है। इस अवसर पर प्रो. सी.एन.आर. राव का शॉल, श्रीफल व स्मृति चिन्ह से सम्मान किया गया। उल्लेखनीय है कि प्रो. सी.एन.आर. राव को कई राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। कार्यक्रम का संचालन प्रो. आर.पी. खम्बायत व आभार प्रदर्शन प्रो. दीपक सिंह ने किया। इस कार्यक्रम में मैनिट भोपाल के निदेशक प्रो. अप्पूकुट्टन के., एनआईटीटीटीआर, भोपाल के अधिकारी/कर्मचारियों सहित शहर के विभिन्न शैक्षणिक व शोध संस्थानों के विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग द्वारा किया गया था।

सम्बोधित करते प्रो. सी.एन.आर. राव

संचालक मण्डल की बैठक संपन्न

बैठक को सम्बोधित करते प्रो. अमिताभ घोष

संस्थान के संचालक मण्डल की 125वीं बैठक 11 मई 2013 को सम्पन्न हुई। इस बैठक में अध्यक्ष संचालक मण्डल प्रो. अमिताभ घोष, प्रो. विजय अग्रवाल, श्री विकास गद्रे, श्री अरूण नाहर, तकनीकी शिक्षा संचालक, मध्यप्रदेश, वित्त सलाहकार श्री योगेन्द्र त्रिपाठी, डॉ. ए.के. नासा, डॉ. के.के. जैन, प्रो. आर.बी. शिवगुण्डे आदि उपस्थित थे। इस बैठक में संस्थान की प्रगति से संबंधित महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये। जिनमें स्वास्थ्य केन्द्र के लिए नया भवन, स्नातकोत्तर छात्रावास, ई–लर्निंग कक्ष की स्थापना, सिविल निर्माण प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट केन्द्र की स्थापना, संकाय सदस्यों को दुनिया के विभिन्न विश्व विद्यालायों में भेजकर प्रशिक्षण दिलाना आदि है। इस बैठक में संस्थान की राजभाषा पत्रिका ''संपर्क सरिता'' के नए अंक का विमोचन भी किया गया।

न्यू मीडिया के उपयोग में ज्यादा आज़ादी है : निधीश त्यागी

श्री निधीश त्यागी को सम्मानित करते प्रो. विजय अग्रवाल

न्यू मीडिया का आकार और आकाश कैसा है ?टेक्नोलॉजी किस तरह से मानवीय व्यवहार को बदलती है ? मीडिया की गति बहुत तेजी से बदल रही है और इसके साथ–साथ हम भी बदल रहे हैं। न्यू मीडिया ने समाज को किस तरह से परिवर्तित किया है। सामाजिक क्रांति में सोशल मीडिया महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। सोशल मीडिया से ज़मीनी आंदोलन का विकास हो सकता है। हो सकता है कि आने वाली पीढ़ी को अपने हाथ से लिखना न पड़े और विद्यार्थी अपना सब कार्य कम्प्यूटर और टेबलेट पर ही करें। उक्त सभी ज्वलंत मुद्दों पर श्री निधीश त्यागी, संपादक, बी.बी.सी. हिन्दी न्यूज़ ने एनआईटीटीटीआर भोपाल में विस्तृत चर्चा की। अवसर था एनआईटीटीटीआर भोपाल एवं ''स्वामी प्रणवानंद जर्नलिज्म ट्रस्ट ऑफ इंडिया'' द्वारा संयुक्त रूप से ''न्यू मीडिया और भारतीय भाषाओं का भविष्य'' विषय पर आयोजित विशेष व्याख्यान का। आज हिन्दी पत्रिकाओं का दौर हाशिए पर है। आज महत्त्वपूर्ण समाचार पत्र डिज़िटल फार्म में उपलब्ध हैं। न्यू मीडिया के माध्यम से 15 वर्षो के लंबे सफर को आज हम 2 से 3 घंटो में पूरा कर सकते हैं। हिन्दी के लेखकों को आज ज्यादा महत्व नहीं मिल रहा है। लेकिन इंटरनेट ने प्रकाशकों के एकाधिकार को तोड़ दिया है। आज व्यक्ति स्वयं की पुस्तक को इलेक्ट्रॉनिक फार्म में प्रकाशित कर ज्यादा से ज्यादा पाठकों से अपने आपको जोड़ सकता है। न्यू मीडिया ने भौतिक सीमाओं को तोड़कर इनोवेटिव तरीके से पूरी दुनिया को समेट लिया है। भाषा नदी की तरह बहती है और अपने प्रवाह से कई किनारों को तोड़कर अपने आप में मिला लेती है। भाषा के विकास में बोलियों का महत्वपूर्ण योगदान है। आज फेसबुक पर भारत की दोनों महत्त्वपूर्ण राजनैतिक पार्टियों के वोट से ज्यादा लोगों का एकांउट है। टेक्नोलॉजी आपसे ज्यादा आपको पढ़ रही है। यदि आप मीडिया में काम कर रहे हैं तो आपको एक द्विभाषिये की तरह कार्य करना पड़ता है। जब आप 100 विषयों को पढ़ते हैं तो 30 विषयों पर लिख पाते हैं। सोशल मीडिया एक टूल है जो निरपेक्ष भी है। उसका उपयोग रचनात्मक एवं सकारात्मक रूप से होना चाहिए। श्री निधीश त्यागी ने श्रोताओं के प्रश्नों के बेबाकी से उत्तर दिये। संस्थान के निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल ने विषय प्रर्वतक के रूप में कार्यक्रम का उद्देश्य बताते हुए कहा कि, आज हम अपने आसपास की दुनिया को भी पहचानें। जिस परिवेश में हम रह रहें हैं, जब तक उसे ठीक नहीं करेंगें, गुणवत्ता की बात करना बेमानी है। दुनिया में आज तेजी से परिर्वतन हो रहे हैं। आज़ादी की लड़ाई में मीडिया की अहम भूमिका रही है। आज मीडिया बाज़ार से प्रभावित है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ पत्रकार श्री लज्जाशंकर हरदेनिया ने कहा कि यह दुर्भाग्य है कि हमारे देश में हर क्षेत्र में हिन्दी की निर्मम हत्या हो रही है। हम हिन्दी को विकास एवं ज्ञान देने वाली भाषा नहीं बना पाये। इस कार्यक्रम को प्रो. प्रभाकर सिंह, श्री राजीव गोहिल एवं राज कुमार ने भी संबोधित किया। इस कार्यक्रम में नगर के गणमान्य नागरिकों सहित एनआईटीटीटीआर परिवार के विद्यार्थी, संकाय सदस्य, अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित थे।

सम्बोधित करते श्री निधीश त्यागी

फिल्मों को देखें नहीं पढ़ें भी : श्रीराम ताम्रकार

पहले सिनेमा को एक अछूत विषय के रूप में देखा जाता था। लेकिन आज सिनेमा का जादू दुनिया के सिर पर चढ़कर बोल रहा है। आज फिल्म जगत एक महत्त्वपूर्ण उद्योग के रूप में स्थापित हो गया है। फिल्म को सिर्फ देखें ही नहीं, उसे पढ़ें भी। उक्त विचार देश के जाने माने फिल्म समीक्षक एवं विश्लेषक श्री श्रीराम ताम्रकार ने एनआईटीटीटीआर भोपाल में 20 मई 2013 को ''सिनेमा –एक इलेक्ट्रानिक मीडिया के रूप में'' विषय पर व्याख्यान देते हुए कहे। श्री ताम्रकार ने विश्व फिल्म जगत के क्रमिक विकास को समझाते हुए कहा कि आज सिनेमा एक विषय के रूप में पढ़ाया जा रहा है एवं इस पर शोध हो रहा है। आज भारत दुनिया में फिल्म प्रोडक्शन के क्षेत्र में सबसे आगे है। हमारा फिल्म निर्माण का वार्षिक टर्नओवर 12 हजार करोड़ का है। उन्होंने 28 दिसंबर 1895 में फ्रांस में ल्यूमिएर ब्रदर्स द्वारा सिनेमा के आविष्कार से लेकर भारत में दादा साहेब फाल्के द्वारा निर्मित प्रथम फिल्म ''राजा हरीशचंद्र'' तक के संघर्ष एवं फिल्म तकनीक के विकास पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पूर्व की भारतीय फिल्में सामाजिक कुरीतियों, सच, न्याय, महिला अधिकारों के प्रति समर्पित होती थीं। अपने जीवन का अंतिम समय दादा साहेब फाल्के ने आर्थिक तंगी में गुजारा। उन्होंने दादा साहेब फाल्के, सावेदादा, बाबूराव पेंटर, प्रभात फिल्म कंपनी, न्यू थिएटर्स, बाम्बें टॉकिज के फिल्म जगत में दिये गये उत्कृष्ट योगदान को याद करते हुए कहा कि बॉलीबुड जितना ग्लैमरस है उतना ही बेरहम भी है। ''राजा हरीशचन्द्र'' फिल्म के निर्माण के समय कोई भी महिला फिल्म में तारामती की भूमिका निभाने के लिये तैयार नहीं थी क्योंकि उस समय फिल्मों में महिलाओं के कार्य करने को बहुत अच्छा नहीं माना जाता था। अतः पहली बार किसी फिल्म में पुरूष नायिका को कार्य करते हुए देखा गया था। लेकिन इस फिल्म के प्रदर्शन के बाद महिलाओं ने फिल्मों में भूमिका निभाने हेतु इच्छा व्यक्त की। महात्मा गांधी के सिद्धांतों का प्रभाव भारतीय फिल्मों में देखा जा सकता है। इस अवसर पर श्री ताम्रकार ने ल्यूमिएर ब्रदर्स की दस फिल्मों का पैकेज, अपराजिता, राजा हरीशचंद्र फिल्में भी दिखाई। उन्होंने फिल्म के प्रत्येक सीन की मनोवैज्ञानिक व्याख्या भी की। उन्होंने कहा कि यदि हम फिल्मों को देखने की जगह उन्हें पढ़ने भी लगे तो उसका आनंद और बढ़ जाता है। सिनेमा का गहराई से अध्ययन किया जाये तो सिनेमा कैरियर बन सकता है। 130 देशों में भारतीय फिल्में देखी जाती हैं। दुनिया का हर तीसरा व्यक्ति हिन्दी फिल्में देखता है। आज 50 लाख लोग फिल्म निर्माण के व्यवसाय से जुड़े हुए हैं। 10 करोड़ दर्शक रोजाना फिल्म एवं टी. वी. देखते हैं। अफसोस की बात है कि मध्यप्रदेश में सिनेमा विषय पढ़ाने के लिए शिक्षक नहीं हैं। एनसीईआरटी ने फिल्म पर एक विषय प्रारंभ किया है। एनआईटीटीटीआर इस क्षेत्र में शिक्षकों के प्रशिक्षण हेतु कार्य कर सकता है। संस्थान के निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि श्री ताम्रकार ने सिनेमा के इतिहास को बहुत रोचक तरीके से प्रस्तुत किया है। भारतीय फिल्मों ने समाज में मानवीय मूल्यों की स्थापना में अहम भूमिका निभाई है। आज मानविकी, साहित्य, कला के बिना हम प्रगति नहीं कर सकते। यह विषय उन आदर्शो का ज्ञान देते हैं जो बेहतर जीवन शैली के लिये जरूरी हैं। यदि आप अच्छे वैज्ञानिक हैं, इंजीनियर हैं, और एक अच्छे इंसान नहीं हैं तो आप समाज को कुछ नहीं दे सकते। इस अवसर पर प्रो. प्रभाकर सिंह व श्री राजीव गोहिल ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. अस्मिता खजांची एवं आभार प्रदर्शन प्रो. एस.एस. केदार ने किया। इस कार्यक्रम में शहर के गणमान्य नागरिकों सहित एनआईटीटीटीआर परिवार के विद्यार्थी, संकाय सदस्य, अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित थे।

सम्बोधित करते श्रीराम ताम्रकार

तकनीकी शिक्षकों के लिये उपयोगी निटर का इण्डक्शन कार्यक्रम : प्रो. नंदनवार

शासकीय पॉलिटेक्निक नासिक में दिनांक 06 से 17 मई 2013 तक इण्डक्शन फेज–1 कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर बोलते हुए प्राचार्य व संयुक्त संचालक प्रो. डी.आर. नंदनवार ने कहा कि एनआईटीटीटीआर भोपाल के इण्डक्शन कार्यक्रम नव– नियुक्त शिक्षकों के लिये अत्यंत लाभकारी हैं। उन्होंने कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुये कहा कि यह कार्यक्रम तकनीकी शिक्षकों को शिक्षा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण जानकारियां प्रदान करता है। प्रो. नंदनवार ने नासिक पॉलिटेक्निक में एनआईटीटीटीआर के कार्यक्रमों के आयोजन के लिए निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल को धन्यवाद प्रेषित किया। उल्लेखनीय है कि शासकीय पॉलिटेक्निक नासिक एनआईटीटीटीआर भोपाल के प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन के लिये विशेष सहयोग प्रदान करता है। प्रशिक्षणार्थियों द्वारा यहां के महिला एवं पुरुष छात्रावास की सुविधाएं, प्रशिक्षण कक्ष, मेस आदि की सराहना की जाती है। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को शिक्षा प्रौद्योगिकी के विभिन्न पहलुओं पर

सम्बोधित करते प्रो. डी.आर. नन्दनवार

प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. पी.के. पुरोहित थे। संकाय सदस्य के रूप में डॉ. दीपक सिंह, डॉ. बशीरउल्ला शेख, प्रो. डी.एम. गायकवाड़, प्रो. एस.पी. दीक्षित, प्रो. आर.एम. नाफड़े ने योगदान दिया। इस कार्यक्रम के स्थानीय समन्वयक डॉ. एस.एम. दूमने एवं प्रो. नितिन ठाकरे थे।

भूटान प्रतिनिधि मंडल ने किया एनआईटीटीटीआर का भ्रमण

भूटान के दस सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल ने दिनांक 21 मई 2013 को निटर भोपाल का भ्रमण किया। इस भ्रमण का उद्देश्य भूटान के विभिन्न तकनीकी संस्थानों के शिक्षकों का प्रशिक्षण, उनकी शैक्षणिक योग्यता का उन्नयन, पाठ्यक्रम विकास, व्यावसायिक शिक्षा एवं उद्यमिता विकास, लर्निंग रिर्सोस डैवलपमेन्ट, क्षमता विकास से संबंधित विषयों पर आपसी सहयोग हेतु चर्चा करना था। संस्थान के निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल ने प्रतिनिधि मंडल का स्वागत करते हुये कहा कि हमारा संस्थान तकनीकी शिक्षा के विकास के लिये प्रतिबद्ध है। भूटान हमारा मित्र है। प्रो. डी.एस. करौलिया ने एनआईटीटीटीआर द्वारा तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में किये जा रहे कार्यो पर अपना प्रस्तुतिकरण दिया। प्रतिनिधि मंडल ने एनआईटीटीटीआर के विभिन्न विभागों एवं प्रयोगशालाओं का भ्रमण किया। प्रतिनिधि मंडल में श्री पीमा वांगड़ी, श्री करमा डोर्जी, श्री किनले गयेलतेशन, श्री सोनम तेशरिंग श्री पीमा डोर्जी, श्री उगेन डोर्जी, सुश्री सोनम चौकी, सुश्री ताशी वांगमो, श्री शेरूब पेन्जोर, श्री देवाक प्रधान उपस्थित थे।

भूटान प्रतिनिधि मण्डल का स्वागत करते प्रो. विजय अग्रवाल

शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम

कन्डक्टिंग एजूकेशन रिसर्च एण्ड राईटिंग रिसर्च रिपोर्ट

संस्थान के शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग द्वारा 27 से 31 मई 2013 तक ''कन्डक्टिंग एजूकेशन रिसर्च एण्ड राईटिंग रिसर्च रिपोर्ट'' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को स्कूल में अनुसंधान प्रणाली से अवगत कराना एवं शिक्षण में अनुसंधान हेतु प्रणाली एवं पद्धतियाँ, उसके विभिन्न चरण, अनुसंधान हेतु समस्या का चयन एवं परिकल्पना, अनुसंधान

हेतु प्रदत्त एकत्रित करने के विभिन्न माध्यम, प्रदत्त का वर्णनात्मक विश्लेषण एवं सांख्यिकी की अनुमानिक विधियाँ आदि विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यक्रम में जिला शिक्षा केन्द्र पन्ना, टीकमगढ़, रीवा, ग्वालियर, धार, विदिशा, उज्जैन, शिवपुरी, भिण्ड, मुरैना, इंदौर, एस. सी.ई.आर.टी. भोपाल आदि शासकीय संस्थानों के 29 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में प्रशिक्षणार्थियों ने निदेशक महोदय से भेंट कर कार्यक्रम की सराहना की। इस कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. किरण सक्सेना थीं। संकाय सदस्य के रूप में डॉ. अनिल कुमार ने सहयोग प्रदान किया।

कम्यूनिकेशन स्किल्स फॉर पीजी स्टूडेंट्स

संस्थान के शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग द्वारा 22 अप्रैल से 03 मई 2013 तक ''कम्यूनिकेशन स्किल्स फॉर पीजी स्टूडेंट्स'' विषय पर दो सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में संप्रेषण कौशल जैसे महत्वपूर्ण विषय पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में छात्रों के संप्रेषण कौशल को विकसित करना, छात्रों को साक्षात्कार हेतु तैयार करना, लिखने की कला, सुनने का कौशल, पत्र व्यवहार में निपुणता, संक्षिप्त विवरण, कवर लेटर, ई–मेल के श्रेष्ठ ज्ञान द्वारा बेहतरी आदि पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान व्यवहारिक गतिविधियाँ जैसे – सामूहिक चर्चा, कथा श्रवण, आशू भाषा एवं अभिनय द्वारा उनमें संप्रेषण कौशल को विकसित करने का भी प्रयास किया गया। इस कार्यक्रम में 35 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. अजित दीक्षित थे। संकाय सदस्य के रूप में डॉ. अंजना तिवारी ने सहयोग प्रदान किया।

डैवलपिंग कम्यूनिकेशन स्किल्स यूजिंग लैंग्वेज लैब

संस्थान के शिक्षा एवं अनुसंघान विभाग द्वारा 13 से 24 मई 2013 तक ''डैवलपिंग कम्यूनिकेशन स्किल्स यूजिंग लैंग्वेज लैब'' विषय पर दो सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य प्रशिक्षणार्थियों को भाषा प्रयोगशाला में आधुनिक सुविधाओं का उपयोग करते हुए संप्रेषण कौशल को विकसित करना था। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को अंग्रेजी सुनने, लिखने एवं बोलने के कौशल को विकसित करने के बारे में बताया गया। इस कार्यक्रम में भारतीय सेना एवं शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय नौगांव एवं अहमदाबाद के 14 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. अजित दीक्षित थे। संकाय सदस्य के रूप में डॉ. अंजना तिवारी ने सहयोग प्रदान किया।

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में संकाय सदस्यों की सहभागिता

लर्निंग इंटरनेशनल नेटवर्क कन्सोर्टियम अमेरिका में आयोजित

16 से 19 जून 2013 तक एम.आई.टी. कैम्ब्रिज, यूएसए में ''लर्निंग इंटरनेशनल नेटवर्क कन्सोर्टियम'' विषय पर आयोजित अंर्तराष्ट्रीय संगोष्ठी में संस्थान के निदेशक प्रो. विजय कुमार अग्रवाल, डीन एडमिनिस्ट्रेशन डॉ. आर.के. दीक्षित, प्राध्यापक डॉ. संजय अग्रवाल एवं सह प्राध्यापक डॉ. आर.के. कपूर ने भाग लिया एवं ''ट्रेनिंग ऑफ पॉलिटेक्निक टीचर्स थ्रु ब्लेन्डेड टेक्नोलॉजीस : ए व्यू एण्ड मूडल वैब बेस्ड टेक्नोलॉजीस इन द वेस्टर्न ज़ोन ऑफ इंडिया'' विषय पर अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया। इस संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य उच्च एवं तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में विश्व की उच्च स्तरीय संस्थाओं द्वारा तैयार किये हुये लर्निंग मटेरियल को नई तकनीक के माध्यम से विश्वभर में उपलब्ध कराना, इस कार्य में विश्व में प्रचलित विभिन्न आधुनिक विधियों के बारे में जानकारी उपलब्ध कराना, एक दूसरे के अनुभवों से सीखना तथा बड़े पैमाने पर एक–दूसरे के साथ कार्य करते हुए स्तरीय लर्निंग मटेरियल का विकास एवं उसे अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाने का कार्य करना था। इस संगोष्ठी में विश्व के 49 देशों ने भाग लिया। संगोष्ठी में प्लेनरी स्पीकर्स में श्री अनंत अग्रवाल, प्रेसीडेंट आफ ईडीएक्स ने ''द डेव्लपिंग वर्ड ऑफ मुक्स

(MOOCS) श्री टॉनी बेट्स ने ''एप्लाईंग बेस्ट प्रेक्टीसेस इन ऑन लाईन लर्निंग थ्रु मुक्स (MOCCS) श्री रॉबिन हॉर्न ने ''द सेबर इनिसियेटिव'' श्री संजय शर्मा, डायरेक्टर ऑफ डिजीटल लर्निंग एम.आई.टी. ने ''द मैजिक बियोन्ड द मुक्स (MOCCS) श्रीमती ऑकह्वा ली, साउथ कोरिया ने ''ए कन्सेप्चुअल मॉडल फार ईडीयु–3'' विषय पर व्याख्यान दिये।

पूरे विश्व में इंजीनियरिंग शिक्षा के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ माने जाने वाले संस्थान एम.आई.टी. (Massachussets Institute of Technology) जैसे ख्याति प्राप्त संस्थान के द्वारा आयोजित संगोष्ठी में प्रतिनिधित्व करना एवं अपना षोधपत्र प्रस्तुत करना गौरव की बात है।

प्रो. पी.के. पुरोहित अंतर्राष्ट्रीय सेमीनार में

संस्थान के अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. पी.के. पुरोहित ने ब्रिसबेन, ऑस्ट्रेलिया में 24 से 28 जून 2013 तक आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमीनार (AOGS-2013) में ''सोलर ट्रांजियेंटस अफेक्टिंग स्पेस वेदर एण्ड देयर इन्टररिलेशनशिप'' (Solar Transients Affecting Space Wether and their Interrelationship) विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया। इस सेमीनार में पूरे विश्व से लगभग 700 वैज्ञानिकों ने भाग लिया। प्रो. पुरोहित ने ''अर्थ आब्जरवेट्री ऑफ सिंगापुर'' का भी भ्रमण किया। वहां उन्होंने डॉ. परमेश बनर्जी, डायरेक्टर टेक्नीकल एवं डॉ. सूजन इरीक्शन, डायरेक्टर एजूकेशन एण्ड आउटरीच से भेंट कर इस आब्जरवेट्री में चल रहे शोध कार्यो की जानकारी ली।

अंतर्राष्ट्रीय सेमीनार में प्रो. शैलेन्द्र सिंह

संस्थान के कम्प्यूटर इंजीनियरिंग एण्ड एप्लीकेशन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. शैलेन्द्र सिंह ने होनोलुलु, यू.एस.ए. में 01 से 03 जुलाई 2013 तक आयोजित ''इण्टरनेशनल कान्फ्रेंस ऑन साफ्टवेयर इंजीनियरिंग, आर्टीफीशियल इंटेलीजेंस, नेटवर्किंग एण्ड डिस्ट्रीब्यूटेड कम्प्यूटिंग (SNPD-2013)'' में भाग लिया। प्रो. सिंह ने आई ट्रिपल ई यू.एस.ए. द्वारा आयोजित इस कांफ्रेंस में ''एन एनसेम्बल एप्रोच फार सायवर अटैक डिटेक्शन सिस्टम : ए जेनेटिक फ्रेमवर्क'' विषय पर अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया। यह शोध पत्र आई ट्रिपल ई जर्नल में प्रकाशित किया जायेगा।

मैकेनिकल अभियांत्रिकी विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम

मेन्टेनेन्स ऑफ इंजीनियरिंग वर्कशाप एण्ड लेबोरेटरी

छत्तीसगढ़ राज्य के पॉलिटेक्निक व अभियांत्रिकी महाविद्यालय के संकाय एवं तकनीकी सदस्यों के लिए 6 से 10 मई 2013 तक 'मेनटेनेन्स ऑफ इंजीनियरिंग वर्कशाप एंड लेबोरेटरी' विषय पर किरोड़ीमल शासकीय पॉलिटेक्निक रायगढ़ में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें 24 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षाणार्थियों को तकनीकी संस्थानों के वर्कशाप एवं लेबोरेटरी के अनुरक्षण से संबधित व्याख्यान दिये गये जिसमें मुख्य रूप से यंत्र अनुरक्षण पद्धति, अनुरक्षण के प्रकार एवं संबधित वर्कशाप की रिकार्ड कीपिंग और कौशल विकास जैसे विषयों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई । इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. ए.के. सराठे थे। संकाय सदस्य के रुप में डॉ. यू.के. जैन ने योगदान दिया।

एडवान्सेस इन आटोमोबाईल इंजीनियरिंग

मैकेनिकल अभियांत्रिकी विभाग द्वारा 13 से 17 मई 2013 तक 'एडवान्सेस इन ऑटोमोबाईल इंजीनियरिंग' विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में ऑटोमोबाईल इंजीनियरिंग से संबधित नवीनतम जानकारी एवं तकनीक जैसे एडवान्सेस इन मार्डन व्हीकल, लेटेस्ट डैवलपमेन्ट इन टॉयर टेक्नोलॉजी, फ्यूल मैनेजमेंट सिस्टम, ब्रेक सिस्टम और व्हीकल मैनटेनेन्स मैनेजमेंट के बारे में प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. के.के.जैन थे एवं संकाय सदस्य के रूप में डॉ. ए.के.सराठे ने योगदान दिया।

एडवान्स आटोकेड पर प्रशिक्षण

छत्तीसगढ़ राज्य के पॉलिटेक्निक व अभियांत्रिकी महाविद्यालय के संकाय सदस्यों के लिए 29 अप्रैल 2013 से 3 मई 2013 तक 'एडवान्सड ऑटोकेड' विषय पर शासकीय महिला पॉलिटक्निक बिलासपुर में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में एडवान्सड 3 डी ऑटोकेड एवं ऑटोलिप्स के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में 23 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की समन्वयक प्रो. वंदना सोमकुंवर थीं।

करिकुलम रिवीजन वर्कशाप का आयोजन

विस्तार केन्द्र अहमदाबाद में 4 से 5 मई 2013 तक जीटीयू के लिए करिकुलम रिवीजन वर्कशाप आयोजित की गई। इस कार्यशाला में मैकेनिकल, ऑटोमोबाईल एवं फेब्रीकेशन विषयों के विशेषज्ञ के रूप में मैकेनिकल अभियांत्रिकी विभाग के प्रो. शरद प्रधान एवं प्रो. वंदना सोमकुंवर ने योगदान दिया।

मैकेनिकल अभियांत्रिकी में अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का होगा आयोजन

एनआईटीटीटीआर भोपाल में दिनांक 16 एवं 17 सितम्बर 2013 को मैकेनिकल अभियांत्रिकी विभाग द्वारा ''डेवलपमेन्ट इन रोबोटिक्स, एप्लाईड मैकाट्रानिक्स, मेन्यूफेक्चरिंग, एण्ड ऑटोमेशन – 2013''. (Developments in Robotics, Applied Mechatronics Manufacturing & Automation - 2013) विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। संगोष्ठी में देश, विदेश के विशेषज्ञ ''मैकेनिकल इंजीनियरिंग के विभिन्न पहलुओ पर चर्चा करेंगे। इस संगोष्ठी में देश के आई.आई.एस.सी. बैंग्लोर, आई.आई.टी, सी.एम.ई.आर. आई. ट्रिपल आई.टी.डी.एम. जैसी शैक्षणिक व अनुसंधान संस्थाओं के विषय विशेषज्ञ व्याख्यान देंगें। उल्लेखनीय है कि इस संगोष्ठी में देश के प्रसिद्ध उद्योगो के प्रतिनिधि अपने व्याख्यानों के साथ–साथ अपने उत्पादों को प्रदर्शित भी करेंगें। इस संगोष्ठी में मैकेनिकल इंजीनियरिंग के जिन क्षेत्रों में विचार विमर्श होगा उनको देश के इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम में किस तरह शाामिल किया जाये एवं कठिन विषयों के शिक्षण हेतु किन नवीन विधियों का उपयोग अनिवार्य होगा इस पर भी चर्चा होगी। इस संगोष्ठी हेतु शोधपत्र आमंत्रित हैं। संगोष्ठी का विस्तृत विवरण संस्थान की वेबसाईट http//www.nitttrbpl.ac.in पर उपलब्ध है। इस संगोष्ठी के संयोजक प्रो. शरद प्रधान हैं।

इन्डक्शन फेस–1 आयोजित

पारुल आरोग्य सेवा मंडल, बडोदा में 13 से 24 मई 2013 तक इण्डक्शन कार्यक्रम फेस–1 आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को शिक्षा प्रौद्योगिकी के विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। दो सप्ताह के इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम सप्ताह की समन्वयक डॉ. वंदना सोमकुंवर थीं एवं संकाय सदस्य के रुप में प्रो. जी.टी.लाला एवं प्रो. सी.के. चुघ ने योगदान दिया।

इंदौर में इन्डक्शन फेस–1 आयोजित

दिनांक 13 मई से 24 मई 2013 तक वैष्णव इंजीनियरिंग कालेज इंदौर में इन्डक्शन फेस–1 कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में प्रतिभागियों को तकनीकी शिक्षा से जुड़े महत्त्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को शिक्षा प्रौद्योगिकी के विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. जोशुआ अर्नेस्ट थे। संकाय सदस्य के रूप में प्रो. निशीथ दुबे, प्रो. एस.आर. गनोरकर एवं प्रो. राजेश्वरी शिवगुंडे ने योगदान दिया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर निटर परिसर में वृक्षारोपण

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एनआईटीटीटीआर परिसर में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल ने वृक्षारोपण किया। संस्थान में इस अवसर पर आम, ऑवला, कचनार, सीताफल, गुलमोहर आदि के लगभग 150 पेड़ लगाये गये। इस कार्यक्रम में संस्थान परिसर स्थित केनरा बैंक का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर प्रभारी उद्यान श्री राजेश दीक्षित एवं केनरा बैंक के मैनेजर श्री नवरे उपस्थित थे। साथ ही संकाय सदस्य/अधिकारीगण/कर्मचारीगण उपस्थित थे।

प्रतिभागियों से चर्चा करते प्रो. अग्रवाल

किशोरावस्था में छात्रों की समस्याओं का प्रबंधन

संस्थान के शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग द्वारा 03 से 07 जून 2013 तक ''मैनेजिंग स्टूडेंट्स प्रॉब्लम्स ड्यूरिंग अडलसंस'' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में किशोर विद्यार्थियों की समस्याओं के निराकरण, उनकी मनोवैज्ञानिक स्थिति को समझते हुए उनके भावी उद्देश्यों की पूर्ति हेतु प्रेरित करना था। इस कार्यक्रम में शिक्षक किस प्रकार से किशोर विद्यार्थियों की समस्याओं को पहचाने और सही मार्गदर्शन एवं परामर्श द्वारा उसका निराकरण करें आदि के बारे प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यक्रम के तहत किशोर विद्यार्थियों की मुख्य समस्याओं के निराकरण हेतु कार्य योजना तैयार कर विशेष अध्ययन एवं प्रस्तुतिकरण का कार्य करवाया गया। इस कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. किरण सक्सेना थीं। संकाय सदस्य के रूप में डॉ. अंजना तिवारी ने सहयोग प्रदान किया।

मोबाईल एवं लैपटॉप रिपेयरिंग पर प्रशिक्षण

विस्तार केन्द्र गोवा में 06 से 17 मई 2013 तक ''मोबाईल एवं लेपटाप रिपेयरिंग'' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को मोबाईल एवं लैपटाप की सर्किट संरचना समझाना, फाल्ट को जानना, रिपेयरिंग करना एवं उपकरणों को एसेम्बल करना आदि विषयों पर प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। समापन समारोह में गोवा गृह निर्माण मंडल के निदेशक आई.ए.एस. श्री एल्वीस गोम्स ने प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाणपत्र वितरित किये। इस अवसर पर गोवा गृह निर्माण मंडल के मुख्य अभियंता श्री राधाकृष्णन भी उपस्थित थे। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 18 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. एलेन संजय रोचा थे।

जल प्रबंधन एवं संग्रहण पर प्रशिक्षण

विस्तार केन्द्र गोवा में 27 से 31 मई 2013 तक ''जल प्रबंधन एवं संग्रहण'' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को ग्रामीण एवं शहरों में जल प्रबंधन एवं संरक्षण से संबंधित विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में इंजीनियरिंग/पॉलिटेक्निक के शिक्षको ने भाग लिया। इस कार्यक्रम को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के साथ संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. एलेन संजय रोचा थे एवं विषय विशेषज्ञ के रूप में श्री पी. प्रभावलकर, डॉ. राज नारायण एवं डॉ. एच. आर. प्रभु देसाई ने सहयोग प्रदान किया।

इम्प्रूविंग क्वालिटी ऑफ स्टूडेन्ट प्रोजेक्ट वर्क

विस्तार केन्द्र गोवा में 03 से 07 जून 2013 तक ''इम्प्रूविंग क्वालिटी ऑफ प्रोजेक्ट वर्क'' विषय पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में पॉलिटेक्निक/इंजीनियरिंग महाविद्यालयों के प्रशिक्षणार्थियों को प्रोजेक्ट बनाना एवं उसके मूल्यांकन पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर श्री लुईस फर्नांडिस ने प्रमाण पत्र वितरित किये। इस कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. एलेन संजय रोचा थे। संकाय सदस्य के रूप में प्रो. सूसन मेथ्यू ने अपना योगदान दिया।

केटिया वेसिक्स पर कार्यक्रम

विस्तार केन्द्र गोवा में दिनांक 17 से 28 जून 2013 तक ''केटिया वेसिक्स'' विषय पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में पॉलिटेक्निक/इंजीनियरिंग महाविद्यालयों के शिक्षकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। समापन समारोह में प्रो. एम.जी. कामत ने प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किये। इस कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. एलेन संजय रोचा थे।

मॉडल प्रश्न पत्र का निर्माण

विस्तार केन्द्र अहमदाबाद में 20 से 31 मई 2013 तक ''डैवलपिंग मॉडल क्वेशचन पेपर्स एज पर स्पेसिफिकेशन टेबल इन मैकेनिकल इंजीनियरिंग एंड एलाईड डिसिप्लिन'' आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. शरद प्रधान थे एवं संकाय सदस्य के रूप में डॉ. ए.के.सराठे ने सहयोग प्रदान किया।

अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम

पेटेन्ट व कॉपीराईट पर प्रशिक्षण समय की मांग

संस्थान के अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग द्वारा शासकीय पॉलिटेक्निक नासिक में ''इन्टेलेक्चुअल प्रापर्टी राईट एण्ड पेटेन्ट सिस्टम इन इंडिया'' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में पश्चिमी क्षेत्रों के पॉलिटेक्निक/इंजीनियरिंग महाविद्यालयों के 28 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए संस्थान के प्राचार्य व संयुक्त संचालक प्रो. डी.आर. नंदनवार ने कहा कि पेटेन्ट, कॉपीराईट, ट्रेडमार्क, भोगोलिक सूचकांक, पेटेन्ट फाईल करने की विधि आदि की जानकारी होना समय की मांग भी है। प्रो. नंदनवार ने शासकीय पॉलिटेक्निक नासिक में रिसर्च पेपर राईटिंग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जाने का सुझाव दिया। इस कार्यक्रम में शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय अवसारी के प्रो. पी. वी. डायगवाने ने विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान दिया। इस कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. पी.के. पुरोहित थे। सकाय सदस्य के रूप में प्रो. सुब्रत राय ने सहयोग प्रदान किया। इस कार्यक्रम के स्थानीय समन्वयक डॉ. एस.एम. दूमने थे। प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों द्वारा शासकीय पॉलिटेक्निक नासिक में बड़े स्तर पर वृक्षारोपण भी किया गया।

विज्ञान एवं इंजीनियरिंग शिक्षण में गणित का अनुप्रयोग

संस्थान के अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग द्वारा 17 से 21 जून 2013 तक ''विज्ञान एवं इंजीनियरिंग शिक्षण में गणित का अनुप्रयोग'' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को इमेज प्रोसेसिंग, मैट्रिक्स अनुप्रयोग, फज़ीसेट थ्योरी, वेक्टर केलकुलस, इंटीग्रल केलकुलस, फोरियर सीरीज, फोरियर ट्रांसफार्म, लाप्लास ट्रांसफार्म के इंजीनियरिंग व साईंस में अनुप्रयोग पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. दीपक सिंह थे। संकाय सदस्य के रूप में प्रो. पी.के. पुरोहित ने सहयोग प्रदान किया।

मेकिंग मेथेमेटिक्स इंटरेस्टिंग एण्ड अंडरस्टेनडेबल

संस्थान के अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग द्वारा 20 से 24 मई 2013 तक ''मेकिंग मेथेमेटिक्स इंटरेस्टिंग एण्ड अंडरस्टेनडेबल'' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को गणित विषय को रोचक एवं समझने हेतु विशिष्ट शिक्षण विधियों, विज्ञान एवं इंजीनियरिंग की विभिन्न शाखाओ में गणित का उपयोग, गणितीय समीकरणों के हल, गणित शिक्षण हेतु मीडिया का निर्माण, गणित का दैनिक जीवन में उपयोग एवं ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम में गणितीय उपयोग आदि विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में इंजीनियरिंग/पॉलिटेक्निक के शिक्षकों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. दीपक सिंह थे व संकाय सदस्य के रूप में प्रो. पी.के. पुरोहित ने सहयोग प्रदान किया।

एप्लीकेशन ऑफ एडवांस स्टेटिस्टीकल टूल्स इन रिसर्च

संस्थान के अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग द्वारा ''एप्लीकेशन ऑफ एडवांस स्टेटिस्टीकल टूल्स इन रिसर्च'' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में शोध के क्षेत्र में स्टेटिस्टीकल विश्लेषण के विभिन्न आधुनिक अनुप्रयोगों के विषय में जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न सॉफ्टवेयर्स एवं उनके स्टेटिस्टीकल विश्लेषण का प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण दिया गया। शोध के क्षेत्र में विश्लेषण एवं अन्य रूप में प्रयुक्त होने वाले स्टेटिस्टीकल डाटा तथा विभिन्न पैमानों की युक्तियुक्तता एवं अनुप्रयोगों का विवेचन प्रशिक्षण कार्यक्रम की विशेषता रही। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. बशीरउल्ला शेख थे। डॉ. इज़हार अहमद ने इस कार्यक्रम में सहयोग प्रदान किया।

गतिविधियां चित्रमय झांकी

महाराष्ट्र राज्य के शिक्षकों के लिए इण्डक्शन कार्यक्रम

प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी महाराष्ट्र राज्य के बोर्ड ऑफ टेक्नीकल एजूकेशन, मुम्बई द्वारा 20 मई से 21 जून 2013 के दौरान 18 इण्डक्शन कार्यक्रम फेस–1 एवं फेस–2 प्रायोजित किये गये थे। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों को महाराष्ट्र राज्य की विभिन्न शासकीय एवं निजी संस्थाओं में आयोजित किया गया। ये प्रशिक्षण कार्यक्रम संस्थान के शैक्षणिक केलेण्डर तैयार होने के बाद प्राप्त हुए थे एवं

पाँच सप्ताह में 36 सप्ताह का प्रशिक्षण आयोजित करना संस्थान के लिए एक चुनौती थी। संस्थान के सभी संकायगणों को इन कार्यक्रमों में समन्वयक की भूमिका दी गई थी। संस्थान के सभी संकायगणों ने मई–जून में लगातार कार्यक्रम आयोजित किये। इन इण्डक्शन कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य तकनीकी शिक्षा में नियुक्त किये गये नये शिक्षकों को देश की तकनीकी शिक्षा प्रणाली, उनकी भूमिका एवं जवाबदारी, पाठ्यक्रम विकास, सीखने के सिद्धांत, शिक्षण विधियां, शिक्षण मीडिया, विषय एवं सत्र योजना, सीखने हेतु प्रेरणा, मार्गदर्शन एवं परामर्श, मूल्यांकन, सीखने की प्रक्रिया को रूचिकर बनाना एवं एन.बी.ए. एक्रीडिटेशन इत्यादि विषयों की विस्तृत जानकारी प्रदान करना एवं योग्यता का विकास करना था। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सभी प्राध्यापकों द्वारा सहभागी प्रशिक्षण विधियों के माध्यम से शिक्षकों को सहभागी बनाकर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में रोल मॉडल प्रस्तुत करने के लिये संस्थान के संकायगण, विशेषज्ञ एवं पॉलिटेक्निक के अनुभवी प्राध्यापकों ने अपने अनुभव साझा किये।

संस्थान ने महाराष्ट्र बोर्ड ऑफ टेक्नीकल एजूकेशन, मुम्बई, पॉलिटेक्निक संस्थाओं एवं विशेषज्ञों को शिक्षकों की गुणवत्ता सुधारने के अनुकरणीय कार्य में सहयोग प्रदान करने हेतु धन्यवाद दिया। एनआईटीटीटीआर, भोपाल विगत चार दशकों से इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रभावी रूप से आयोजित करता आ रहा है एवं इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर योग्यता रखता है।

महाराष्ट्र शासन के तकनीकी शिक्षकों के लिए पुणे, यवतमाल, नागपुर, चैम्बूर, सोलापुर, कोल्हापुर, नासिक, प्रवर नगर, नांदेड़, वर्धा, थाने, अमरावती औरंगाबाद आदि स्थानों पर स्थित पॉलिटेक्निक शिक्षकों के लिए इण्डक्शन फेस –1 एवं फेस – 2 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये। इनमें लगभग 650 शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया जिसमें संस्थान के सभी संकाय सदस्यों ने सहयोग प्रदान किया।

2–डी ऐनिमेशन पर प्रशिक्षण

विस्तार केन्द्र पुणे में महाराष्ट्र राज्य के पॉलिटेक्निक एवं अभियांत्रिकी महाविद्यालय के संकाय सदस्यों के लिए 29 अप्रैल से 3 मई 2013 तक '2–डी ऐनिमेशन डेवलपमेंट' विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. एस.एस. केदार थे। इस कार्यक्रम में डॉ. ए.के.सराठे ने संकाय सदस्य के रूप में योगदान दिया।

सिविल एवं पर्यावरण इंजीनियरिंग विभाग के कार्यक्रम

एनआईटीटीटीआर की मैटीरियल टेस्टिंग लैब में हो रहे महत्वपूर्ण परीक्षण

29 दिसम्बर 2012 को उद्घाटन अवसर पर लैब का निरीक्षण करते श्री अशोक ठाकुर

भोपाल म.प्र. में एक वर्ष पूर्व हुई त्रासदी में वर्षो पूर्व निर्मित पानी की टंकी के गिरने से कई लोगो की मौत हुई थी। म.प्र. राज्य शासन ने इस घटना की जाँच के साथ–साथ इस टंकी के मैटीरियल की जाँच का कार्य निटर भोपाल को सोंपा था। निटर भोपाल ने इस कार्य के लिये टंकी का मैटीरियल एकत्र कर अपनी प्रयोगशाला में परीक्षण किये थे एवं निर्धारित समय में इस काम को पूरा कर अपनी रिपोर्ट म.प्र. शासन को दी थी।

निटर भोपाल के इस कार्य एवं इस विशेषज्ञता के कारण मध्यप्रदेश के विभिन्न विभागो द्वारा राज्य में स्थित अन्य पानी की टंकियों की जाँच, उनकी सामर्थ्य जाँच का जिम्मा निटर भोपाल को सोंपा है। निटर भोपाल के सिविल एवं पर्यावरण इंजीनियरिंग विभाग के संकाय सदस्य एवं कर्मचारी इस कार्य को अंजाम दे रहे हैं। वर्तमान में संस्थान के सिविल एवं पर्यावरण इंजीनियरिंग विभाग द्वारा भोपाल शहर की 16 पानी की टंकियों का परीक्षण किया जा रहा है। यह परीक्षण प्रारंभिक तौर पर नगर निगम, भोपाल के अनुरोध पर किया जा रहा है तथा ऐसी आशा है कि निरीक्षण कार्य एक माह में पूर्ण कर रिपोर्ट नगर निगम को भेजी जा सकेगी । भविष्य में टंकियों की स्थिति अनुसार जरूरत होने पर पुनः टंकियों की स्टोरेज जांचने हेतु नॉन–डिस्ट्रेक्टिव टेस्टिंग की जा सकेगी। यह कार्य माननीय निदेशक महोदय के मार्गदर्शन में सिविल विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. जे.पी.टेगर, प्रो. के.के.पाठक, प्रो. एस.राय, श्री राजेश दीक्षित एवं श्री एम.एस.बालगंगाधर की संयुक्त टीम द्वारा शुरू किया गया है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश की इस श्रेष्ठ ''मैटीरियल टेस्टिंग लैब'' का उद्घाटन 29 दिसंबर 2012 को मानव संसाधन विकास मंत्रालय नई दिल्ली, भारत सरकार के सचिव, उच्च शिक्षा श्री अशोक ठाकुर के कर कमलो द्वारा किया गया था। उन्होंने कहा था कि तकनीकी शिक्षण संस्थानों की प्रयोगशालाओं में उन्नत व हाईटेक उपकरण होना चाहिए। बिना प्रयोगशाला के इंजीनियर अधूरा होता है। उन्होने इस प्रयोगशाला के अंतर्गत किये जाने वाले परीक्षणों को बारीकी से देखा था एवं इस बात पर बल दिया था कि इस प्रयोगशाला का लाभ शिक्षकों के साथ–साथ मध्यप्रदेश की निर्माण एजेंसियों तथा सरकारी संस्थानों को भी मिलना चाहिए। इस अवसर पर मानव संसाधन विकास मंत्रालय के उप शिक्षा सलाहकार डॉ. ए.के. नासा भी उपस्थित थे।

वैश्विक प्रतिस्पर्धा के इस दौर में तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के निर्वहन के लिये एनआईटीटीटीआर भोपाल प्रतिवद्ध है।

– प्रो. विजय अग्रवाल

टंकियों का निरीक्षण करते निटर भोपाल के संकाय गण

''सड़कों एवं भवनों का निर्माण'' विषय पर कार्यक्रम

संस्थान में 03 से 05 जून 2013 तक सिविल एवं पर्यावरण विभाग द्वारा ''सड़कों एवं भवनों का निर्माण'' विषय पर एक कार्यक्रम म.प्र. नगर निगम के शहरी स्थानीय निकाय के इंजीनियरिंग स्टॉफ हेतु आयोजित किया गया। इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को शहरों में बुनियादी सुविधाओं का विकास, सड़क निर्माण आदि महत्त्वपूर्ण विषयों के बारे में विस्तार से बताया गया। कार्यक्रम में 12 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. ए.के. जैन थे।

डेवलपिंग मॉडल क्वेश्चन पेपर्स फॉर सिविल इंजीनियरिंग एंड एलाईड डिसिप्लिन

एनआईटीटीटीआर, भोपाल के विस्तार केंद्र अहमदाबाद में 06 से 10 मई 2013 तक ''डेवलपिंग मॉडल क्वेश्चन पेपर एज पर स्पेसिफिकेशन टेबल फॉर सिविल इंजीनियरिंग एंड एलाईड डिसिप्लिन'' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में गुजरात के के.जे.पॉलिटेक्निक, भडूच, सर बीपीटीआई, भावनगर एवं वीपीएमपी, पॉलिटेक्निक, गांधीनगर के प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला में प्रतिभागियों से स्टूडेंट असेसमेंट से संबंधित बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यशाला के दौरान सात विषयों पर सेंपल मॉडल क्वेश्चन पेपर तैयार किये गये। कार्यशाला के समन्वयक प्रो. वी.एच.राधाकृष्णन थे एवं संकाय सदस्य के रूप में प्रो. जे.पी.टेगर एवं प्रो. शशिकांत गुप्ता ने सहयोग प्रदान किया।

ठोस कचरा प्रबंधन विषय पर कार्यक्रम

04 से 05 जून 2013 तक सिविल एवं पर्यावरण विभाग द्वारा संस्थान में ''ठोस कचरा प्रबंधन'' विषय पर म.प्र. नगर निगम के शहरी स्थानीय निकाय के इंजीनियरिंग स्टॉफ हेतु कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को ''शहरी परिदृश्य में ठोस कचरा प्रबंधन' एवं ''चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन'' के बारे में विस्तार से बताया गया। कार्यक्रम में कुल 14 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. जे.पी.टेगर थे।

परियोजना प्रबंधन पर कार्यक्रम

संस्थान के सिविल एवं पर्यावरण इंजीनियरिंग विभाग द्वारा 24 से 26 अप्रैल 2013 तक ''परियोजना प्रबंधन'' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में परियोजना के जीवन चक्र, स्वॉट विश्लेषण, जल संसाधन मामलों का अध्ययन एवं क्षेत्र विशेषज्ञों द्वारा परियोजना के डिजाईन तत्वों और अनुभवों को बांटना आदि कई महत्त्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यक्रम में म.प्र. नगर निगम के शहरी स्थानीय निकाय के इंजीनियरिंग स्टॉफ के कुल 21 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. व्ही.एच.राधाकृष्णन थे।

डेवलपिंग लेब प्रेक्टिसेस एंड मिनी प्रोजेक्ट वर्क लीडिंग टू स्किल

विस्तार केंद्र अहमदाबाद में दिनांक 24 से 28 जून 2013 तक ''डेवलपिंग लेब प्रेक्टिसेस एंड मिनी प्रोजेक्ट वर्क लीडिंग टू स्किल डेवलपमेंट इन सिविल इंजी. एंड एलाईड डिसिप्लिन'' विषय पर प्रशिक्षण–सह–कार्यशाला आयोजित की गयी। इस कार्यशाला में 09 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला में प्रोजेक्ट एवं प्रयोगों के प्रकार, उनके प्रारूप एवं रिपोर्ट लेखन आदि पर विस्तार से बताया गया एवं विभिन्न विषयों पर सेंपल लेबोरेटरी एक्सपीरियंस विकसित किये गये। समस्त प्रतिभागियों ने कार्यशाला की सराहना की। इस कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. व्ही.एच.राधाकृष्णन थे। संकाय सदस्य के रूप में डॉ. एम.सी.पालीवाल ने सहयोग प्रदान किया।

टी.आई.टी. महाविद्यालय, भोपाल के छात्रों को प्रशिक्षण

संस्थान के सिविल एवं पर्यावरण इंजीनियरिंग विभाग द्वारा 29 एवं 30 अप्रैल 2013 को जियोटेक्निकल प्रयोगशाला में टी.आई.टी. इंजीनियरिंग महाविद्यालय, भोपाल के छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में छात्रों को विभिन्न प्रकार के प्रयोगशाला टेस्ट करवाये गये। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रो. के.के. पाठक द्वारा संचालित किया गया एवं श्री एम.एस.बालगंगाधर, प्रयोगशाला तकनीशियन द्वारा सहयोग प्रदान किया गया।

पानी की आपूर्ति एवं स्वच्छता पर कार्यक्रम

संस्थान के सिविल एवं पर्यावरण इंजीनियरिंग विभाग द्वारा 01 से 03 मई 2013 तक ''पानी की आपूर्ति, सिवरेज एवं स्वच्छता'' विषय पर म.प्र. नगर निगम के शहरी स्थानीय निकाय के इंजीनियरिंग स्टॉफ हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया । इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में मध्यप्रदेश में पानी की आपूर्ति, सिवरेज एवं स्वच्छता का वर्तमान परिदृश्य, प्रतिभागियों द्वारा तैयार क्रय एवं निविदा प्रक्रिया, अनुबंध प्रबंधन, मॉनिटरिंग, गुणवत्ता नियंत्रण आदि कई महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यक्रम के अंतिम दिन प्रतिभागियों को फील्ड विजिट हेतु शाहगंज ले जाया गया, जहां पर उन्हें नर्मदा से पानी की आपूर्ति प्रणाली के रखरखाव एवं संचालन के बारे में विस्तार से समझाया गया। कार्यक्रम में कुल 21 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. सुब्रत राय थे।

पदार्थ सामर्थ्य एवं प्रत्यास्थता सिद्धांत पर प्रशिक्षण

संस्थान के सिविल एवं पर्यावरण इंजीनियरिंग विभाग द्वारा 13 से 24 मई 2013 तक ''पदार्थ सामर्थ्य एवं प्रत्यास्थता सिद्धांत'' विषय पर दो सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। प्रथम सप्ताह में पदार्थ सामर्थ्य के विभिन्न सिद्धांतों एवं उनके अनुप्रयोग का प्रशिक्षण दिया गया। द्वितीय सप्ताह में प्रत्यास्थता सिद्धांतों का परिचय कराया गया। प्रतिभागियों के समक्ष निर्माण सामग्री परीक्षण प्रयोगशाला में उपलब्ध विनाशी एवं अविनाशी परीक्षणों का प्रदर्शन किया गया। प्रतिभागियों को विभाग में उपलब्ध ''फाईनाइट एलिमेंट सॉफ्टवेयर'' पर संरचना विश्लेषण का अभ्यास भी कराया गया। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. के.के.पाठक थे। संकाय सदस्य के रूप में प्रो. सुब्रत रॉय ने सहयोग प्रदान किया।

मेहसाना, गुजरात में इंडक्शन कार्यक्रम का आयोजन

निजी पॉलिटेक्निक संस्थानों को प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत 03 जून से 12 जून 2013 तक इंडक्शन कार्यक्रम फेस–1 का आयोजन बी.एस.पॉलिटेक्निक, खैरवा, मेहसाना, गुजरात में किया गया। दो सप्ताह तक चले इस कार्यक्रम में 40 तकनीकी शिक्षकों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को टीचिंग लर्निंग मैथ्डस्, मीडिया का उपयोग, पाठ्यक्रम एवं पाठ्यचर्या जैसे महत्त्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस द्वि–साप्ताहिक कार्यक्रम के प्रथम सप्ताह में प्रो. के.के.पाठक एवं प्रो. व्ही.डी. पाटिल एवं दूसरे सप्ताह में डॉ. किरण सक्सेना एवं प्रो. जे.पी.टेगर द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

प्लानिंग, आर्गनाईजिंग, इम्पलीमेंटिंग एण्ड इवेल्यूटिंग प्रोजेक्ट पर प्रशिक्षण

संस्थान के प्रबंधन विभाग द्वारा 03 से 07 जून 2013 तक ''प्लानिंग, आर्गनाईजिंग, इम्पलीमेंटिंग एण्ड इवेल्यूटिंग प्रोजेक्ट'' विषय पर दो सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को प्रोजेक्ट प्रबंधन से जुड़े सभी विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में इंजीनियरिंग/पॉलिटेक्निक के शिक्षकों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. आशीष देशपांडे थे एवं संकाय सदस्य के रूप में प्रो. बी.एल. गुप्ता ने सहयोग प्रदान किया।

नेतृत्व विकास पर कार्यक्रम

संस्थान के प्रबंधन विभाग द्वारा 27 से 31 मई 2013 तक ''नेतृत्व विकास'' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सेना के अधिकारी एवं पॉलिटेक्निक संस्थाओं के वरिष्ठ प्राध्यापकों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में योजना, योजना के प्रकार, योजना बनाने की विधि, प्रभावी नेतृत्व, भविष्य हेतु नेतृत्व, बदलाव हेतु नेतृत्व, स्वाट एनालिसिस, प्रभावी निर्णय लेना एवं समस्याओं के हल खोजना, सृजन शीलता, टीम का नेतृत्व करना एवं टीम में कार्य करना एवं क्वालिटी सर्कल पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. बी.

एल. गुप्ता थे एवं संकाय सदस्य के रूप प्रो. आशीष देशपाण्डे, प्रो. पराग दुबे, प्रो. तनुज नंदन, प्रो. कुमुदिनी शर्मा एवं प्रो. आर.बी. शिवगुण्डे ने विशेषज्ञ के रूप में सहयोग प्रदान किया।

2–डी एनीमेशन पर कार्यक्रम

संस्थान के इलैक्ट्रानिक मीडिया विभाग द्वारा 06 से 17 मई 2013 तक 2डी एनीमेशन पर दो सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को 2–डी एनीमेशन व एडोब फ्लेश साफ्टवेयर पर कार्य कराया गया। इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. एस.एस. केदार थे। संकाय सदस्य के रूप में प्रो. आर.पी. खम्बायत ने योगदान दिया।

नेशनल स्किल्स क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क कान्फ्रेंस

22 एवं 23 मई 2013 को नई दिल्ली में ''नेशनल स्किल्स क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क'' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी को ''इंडिया–यूरोप स्किल्स डेवलेपमेंट प्रोजेक्ट'' के अंतर्गत आयोजित किया गया। इस संगोष्ठी का उद्देश्य कौशल विकास मिशन के अंतर्गत हुई प्रगति पर चर्चा करना था। इस संगोष्ठी का आयोजन मानव संसाधन विकास, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, यूरोपियन यूनियन, राष्ट्रीय कौशल विकास परिषद आदि द्वारा संयुक्त रूप से किया। इस संगोष्ठी में संस्थान की ओर से संस्थान के निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल, प्रो. संजय अग्रवाल, प्रो. आर.पी. खम्बायत व प्रो. रवि कपूर ने भाग लिया।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 60वीं बैठक संपन्न

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान भोपाल में दिनांक 17 मई 2013 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में वर्ष भर आयोजित होने वाली हिन्दी कार्यशाला–सह–प्रशिक्षण कार्यक्रमों के विषयों एवं अवधि पर विचार करने के साथ–साथ संस्थान द्वारा राजभाषा हिन्दी के उन्नयन हेतु किये जा रहे कार्यो एवं भावी योजनाओं तथा तिमाही रिपोर्ट ऑन लाइन भेजने के संबंध में चर्चा की गई। साथ ही संस्थान के स्वर्ण जयंती के अवसर पर सम्पर्क सरिता का स्वर्ण जयंती अंक प्रकाशित करने, पी.जी कार्यक्रम के प्रथम बैच का दीक्षांत समारोह आयोजित करने, माह सितम्बर में राजभाषा से संबंधित कार्यक्रम आयोजित करने आदि के प्रस्ताव अध्यक्ष महोदय के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत किये गये। बैठक को संबोधित करते हुए संस्थान के निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल ने अध्यक्ष संचालक मण्डल प्रो. अमिताभ घोष द्वारा

संपर्क सरिता टीम को उनकी ओर से बधाई प्रेषित की। इस बैठक में प्रो. डी.एस. करौलिया, प्रो. के.के. जैन, प्रो. किरण सक्सेना, प्रो. पी.के. पुरोहित, प्रो. प्रभाकर सिंह, प्रो. शैलेन्द्र सिंह, प्रो. के.के. पाठक, प्रो. अस्मिता खजांची, श्री डी.के. तिवारी, एवं श्री एस.एस. अस्थाना सहित राजभाषा समिति के अन्य सदस्यगण उपस्थित थे।

''क्रय प्रक्रिया के सिद्धांत'' पर कार्यशाला आयोजित

संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति के तत्वाधान में 03 एवं 04 मई 2013 को ''क्रय प्रक्रिया के सिद्धांत'' विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण–'सह– कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला का उद्घाटन संस्थान के निदेशक व नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष प्रो. विजय अग्रवाल ने किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में क्रय प्लानिंग, भारत सरकार की क्रय नीति, क्रय के प्रकार, स्टॉक एवं इश्यू, डिस्पोजल, डी.जी.एस. एण्ड डी., रेट कान्ट्रैक्ट एवं टैन्डरिंग प्रक्रिया आदि विषयों के बारे में विस्तृत रूप से समझाया गया तथा कार्यक्षेत्र में इसकी उपयोगिता पर भी चर्चा की गई। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में संस्थान व केन्द्र सरकार के विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने भाग लिया। इस कार्यशाला के समन्वयक श्री डी.के. तिवारी थे एवं विषय विशेषज्ञ के रूप में श्री सी. के. चाव्हाण, श्री आर.एन. मिश्रा एवं श्री पी.के. सक्सेना ने सहयोग प्रदान किया।

संस्थान की राजभाषा समिति के तत्वावधान में वर्षभर आयोजित की जाने वाली हिन्दी प्रशिक्षण सह-कार्यशाला

क्र.	प्रशिक्षण–सह–कार्यशाला का विषय	अवधि	समन्वयक
1.	व्यावसायिक शिक्षा की आवश्यकता एवं रोजगार	29–30 अप्रैल, 2013	प्रो. आर.जी. चौकसे
2.	क्रय प्रक्रिया के सिद्धांत	03–04 जून, 2013	प्रो. सी.के. चुघ
3.	यूनिकोड का प्रयोग	30–31 जुलाई, 2013	प्रो. संजय अग्रवाल
4.	तकनीकी शिक्षा में हिन्दी का महत्त्व	22–23 अगस्त, 2013	प्रो. के.के. जैन
5.	सेवा काल में आचार संहिता का महत्त्व	11–12 सितम्बर, 2013	प्रो. आर.के. दीक्षित
6.	साक्षरता की आवश्यकता	05–06 दिसम्बर 2013	प्रो. किरण सक्सेना
7.	संसदीय प्रश्नावली कैसे भरें तथा संसदीय समिति के समक्ष प्रस्तुति	21–22 जनवरी, 2014	श्री एस.एस. अस्थाना
8.	प्रशासकीय एवं वित्तीय प्रबंधन	03–04 फरवरी, 2014	श्री डी.के. तिवारी

राज्य शिक्षा केन्द्र, म.प्र. के शिक्षक–प्रशिक्षको की क्षमता अभिवृद्धि हेतु प्रशिक्षण

मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा केन्द्र प्रवर्तित शिक्षक शिक्षा योजना के तहत् दिनांक 15 अक्टूबर 2012 को आयोजित टीचर एजूकेशन एप्रूबल बोर्ड की बैठक में एस.सी.ई.आर.टी., म.प्र. एवं इसके अधीनस्थ शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों/डाइट्स के शिक्षक प्रशिक्षकों की क्षमता अभिवृद्धि हेतु शिक्षक–प्रशिक्षक कार्यक्रम आयोजित करने का सुझाव दिया गया था। राज्य शिक्षा केन्द्र, म.प्र.

संबोधित करते प्रो. विजय अग्रवाल

के अनुरोध पर एनआईटीटीटीआर, भोपाल ने इस संदर्भ में माह मई–जून 2013 में 5 कार्यक्रमों का आयोजन किया। जिनमें पाठ्यक्रम एवम् छात्र अधिगम मूल्यांकन पर 13 से 17 मई 2013, शैक्षिक अनुसंधान करना एवं अनुसंधान रिपोर्ट लिखना पर 27 से 31 मई 2013, पाठ्यक्रम एवं छात्र अधिगम मूल्यांकन पर 03 से 07 जून 2013, शिक्षण अधिगम सामग्री निर्माण पर 10 से 14 जून 2013 एवं शैक्षिक अनुसंधान करना एवं अनुसंधान रिपोर्ट लिखना पर 24 से 28 जून 2013 तक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में लगभग 150 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राज्य शिक्षा केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले विभिन्न संस्थान के शिक्षक प्रशिक्षकों की क्षमता संवर्धन था। क्षमता संवंर्धन की आवश्यकता न केवल वर्तमान बल्कि भविष्य में शिक्षा में होने वाले परिवर्तनों के अनुरूप शिक्षक प्रशिक्षकों को तैयार करने में भी सहायक होगी।

कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए संस्थान के निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल ने ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होनें कहा कि यदि तकनीकी शिक्षा में गुणवत्ता लानी है तो माध्यमिक शिक्षा स्तर पर गुणवत्ता का होना आवश्यक है क्योंकि तकनीकी शिक्षा को मिलने वाला इनपुट माध्यमिक शिक्षा से ही आता है। विभिन्न कार्यक्रमों के दौरान प्रतिभागियों ने संगणक प्रशिक्षण, डिजिटल शिक्षण अधिगम सामग्री निर्माण, आंकड़े विश्लेषण आदि पर भी प्रशिक्षण दिये जाने की आवश्यकता अनुभव की। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अनिल कुमार थे। संकाय सदस्य के रूप में प्रो. (श्रीमती) किरण सक्सेना, प्रो. अंजू रौले, प्रो. चंचल मेहरा, प्रो. एस.एस. केदार, प्रो. सी.के. चुघ ने सहयोग प्रदान किया।

कम्प्यूटर नेटवर्किंग यूजिंग विन्डोज सर्वर पर प्रशिक्षण

संस्थान के कम्प्यूटर इंजीनियरिंग और अनुप्रयोग विभाग द्वारा 17 से 21 जून 2013 तक कम्प्यूटर नेटवर्किंग यूजिंग विन्डोज सर्वर विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में नेटवर्किंग मॉडल, 2003 विन्डोज सर्वर इंस्टॉलेशन एवं कान्फिग्रेशन और इंटरनेट के बारे में जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, मध्यप्रदेश एवं भारतीय सेना के प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. डी.एस. करौलिया थे एवं संकाय सदस्य के रूप में डॉ. शैलेन्द्र सिंह तथा प्रोग्रामर श्री आशीष चटकवार एवं श्री धीरज पांडे ने सहयोग प्रदान किया।

तनाव प्रबंधन पर जयपुर में कार्यशाला का आयोजन

विस्तार केन्द्र रायपुर द्वारा राजस्थान पुलिस अकादमी की विशेष मांग पर उनके पुलिस अधिकारियों के लिए जयपुर में दिनांक 25 एवं 26 जून 2013 तक ''तनाव प्रबंधन'' विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में सेल्फ मैनेजमेन्ट, इमोशनल मैनेजमेन्ट, व्यवहार प्रबंधन तथा तनाव के व्यावहारिक पहलू आदि विषयों पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया। राजस्थान पुलिस अकादमी के सहायक निदेशक श्री कमल शेखावत ने इस कार्यशाला को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। राजस्थान पुलिस अकादमी की ओर से सुश्री शालिनी सिंह ने समन्वयक के रूप में सहयोग किया और संस्थान की और से प्रो. पीयूष वर्मा द्वारा इस कार्यशाला का संचालन किया गया।

एडवांस टेलि-कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग पर कार्यक्रम

संस्थान के इलैक्ट्रीकल एवं इलैक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग विभाग द्वारा 20 से 24 मई 2013 तक ''एडवांस टेलि–कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग'' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षणार्थियों को सेटेलाईट कम्यूनिकेशन, टेलिविजन एण्ड मोबाईल कम्यूनिकेशन आदि के बारे में विस्तार के समझाया गया। इस कार्यक्रम में मध्यप्रदेश व महाराष्ट्र पॉलिटेक्निक/इंजीनियरिंग महाविद्यालय के शिक्षकों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. अंजलि पोटनिस थीं।

डॉ. दीपक सिंह अंतर्राष्ट्रीय सेमीनार में

संस्थान के अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग के सह प्राध्यापक डॉ. दीपक सिंह ने भूसान, साऊथ कोरिया में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेन्स ''द एशियन मैथमेटिकल कॉन्फ्रेन्स 2013'' में ''सम रिजल्ट्स ऑन कपल्ड कोइनसिडेन्स एण्ड कॉमन फिक्स्ड प्वाइंट थियोरम्स इन पारशियली ऑरडर्ड जनरालाईज्ड फज़ी मैट्रिक स्पेसेस'' विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया। इस सेमीनार में विश्व के कई देशों के गणितज्ञ शामिल हुए।

डॉ. वंदना सोमकुंवर 'ग्लोरी ऑफ इंडिया' पुरस्कार से सम्मानित

इंडिया इंटरनेशनल फ्रेन्डशिप सोसायटी द्वारा 19 जून 2013 को बेकांक (थाईलेंड) में आयोजित सेमीनार में डॉ. वंदना सोमकुंवर ने भाग लिया । इस सेमिनार में डॉ. वंदना सोमकुंवर को शिक्षा में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए 'ग्लोरी ऑफ इंडिया' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार उन्हें एच.ई.कार्न डाबरन्सी पूर्व उप–प्रधानमंत्री थाईलेंड द्वारा दिया गया और उन्हें उत्कृष्टता प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

कोर टीचिंग स्किल्स पर कार्यक्रम

संस्थान के शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग द्वारा 10 से 21 मई 2013 तक ''कोर टीचिंग स्किल्स'' विषय पर दो सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश के विभिन्न क्षेत्रों जैसे दिल्ली, दक्षिण भारत, हरियाणा, गुजरात, महाराष्ट्र व मध्यप्रदेश आदि से आये वरिष्ठ शिक्षकों ने भाग लिया था। इस कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. आर.पी. खम्बायत थे। संकाय सदस्य के रूप में प्रो. जी.टी. लाला, प्रो. एस.आर. गनोरकर एवं प्रो. अजित दीक्षित ने सहयोग दिया।

सकारात्मक सोच से व्यक्तित्व विकास

विस्तार केन्द्र रायपुर द्वारा स्थानीय शासकीय कन्या पॉलिटेक्निक, जगदलपुर के शिक्षकों के लिए 13 से 17 मई 2013 तक ''पर्सनालिटी डेवलपमेन्ट थ्रू पॉजिटिव थिंकिंग'' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों ने सेल्फ तथा इमोशनल मैनेजमेन्ट से जुड़ी हुई विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। विशेष रूप से पर्सनालिटी प्रोफाइलिंग, इमोशनल मेपिंग तथा कोपिंग स्किल्स की गतिविधियाँ प्रशिक्षणार्थियों को बहुत रोचक एवं जीवनोपयोगी लगी। कार्यक्रम के समापन अवसर पर बोलते हुए शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज के प्राचार्य प्रो. जी.पी. खरे तथा शासकीय पॉलिटेक्निक के प्राचार्य प्रो. एस.के. त्रिवेदी ने इसे जीवन की व्यवस्था से जुड़ा अत्यंत महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम बताया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पॉलिटेक्निक कॉलेज के 23 शिक्षकों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. पीयूष वर्मा थे।

व्यक्तित्व निर्माण, मोटिवेशन तथा केरियर निर्माण पर कार्यशाला

विस्तार केन्द्र रायपुर द्वारा स्थानीय शासकीय कन्या पॉलिटेक्निक, रायपुर के शिक्षकों के लिए 04 मई 2013 को ''व्यक्तित्व निर्माण, मोटिवेशन तथा केरियर प्लानिंग'' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। भाषा प्रयोगशाला में आयोजित इस कार्यशाला में सभी विभागों के 26 शिक्षकों ने भाग लिया। इस कार्यशाला में सेल्फ मैनेजमेन्ट, इमोशनल मैनेजमेन्ट का व्यावहारिक पहलू तथा स्वयं निर्माण में छिपी कैरियर निर्माण की अवधारणा विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षणार्थियों को यह कार्यशाला रोचक और उपयोगी लगी। इस कार्यशाला का संचालन प्रो. पीयूष वर्मा तथा प्रो. यू.के. जैन ने किया।

डैवलपिंग लैब प्रैक्टिस एंड मिनी प्रोजेक्ट वर्क पर प्रशिक्षण

विस्तार केन्द्र अहमदाबाद में 10 से 14 जून 2013 तक डैवलपिंग लैब प्रैक्टिस एंड मिनी प्रोजेक्ट विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को प्रोजेक्ट डिजाईन एवं प्रेक्टीकल कैसे करायें इसकी विस्तृत जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में पॉलिटेक्निक/इंजीनियरिंग महाविद्यालय के शिक्षकों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. एम.ए. रिज़वी थे और संकाय सदस्य के रूप में डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने सहयोग प्रदान किया।

मैनेजमेन्ट ऑफ कम्प्यूनिटी डेवलपमेन्ट थ्रू पॉलिटेक्निक

विस्तार केन्द्र अहमदाबाद में 06 से 10 मई 2013 तक ''मैनेजमेन्ट ऑफ कम्यूनिटी डैवलपमेन्ट थ्रू पॉलिटेक्निक स्कीम'' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य कम्यूनिटी पॉलिटेक्निक परियोजना से संबंधित विभिन्न पहलुओं से प्रशिक्षणार्थियों को लाभान्वित करना तथा वर्ष 2013–14 हेतु आपरेशन प्लान तैयार करना था। प्रशिक्षण कार्यक्रम में 27 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. अजय जैन थे एवं संकाय सदस्य के रूप में प्रो. शशिकांत गुप्ता ने सहयोग प्रदान किया।

उद्यमिता विकास पर कार्यक्रम

विस्तार केन्द्र पुणे में दिनांक 6 से 17 मई 2013 तक तकनीकी छात्रों के बीच उद्यमिता का वातावरण बनाने हेतु दो सप्ताह का ''उद्यमिता विकास'' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में इंजीनियरिंग व पॉलिटेक्निक के प्राध्यापकों सहित 32 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में उद्यमिता विकास की आवश्यकता, उद्देश्य, करिकुलम व टीचिंग स्ट्रेटजी जैसे विषय पर प्रकाश डाला गया। प्रथम सप्ताह में डॉ. प्रभाकर सिंह ने उद्यमिता का विकास व उसके प्रकार की व्याख्या करते हुए जीवंत उदाहरण प्रस्तुत किये। कार्यक्रम संयोजक प्रो. निशीथ दुबे ने उद्यमिता के सोपान, उद्योग स्थापना के चरण, प्रोजेक्ट प्लानिंग, ब्रेन स्टोरमिंग इत्यादि पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के द्वितीय सप्ताह में प्रो. आर.जी. चौकसे ने बाजार, सर्वेक्षण, मार्केटिंग मिक्स पर अनेक उदाहरण दिये। प्रो. विजय पाटिल ने कम्यूनिकेशन और उसका व्यापार में महत्व बताया।

प्रमोशन ऑफ स्माल स्केल इंड्रस्टीज थ्रू एनटरप्रिनियोरशिप

विस्तार केन्द्र अहमदाबाद में दिनांक 10 से 21 जून 2013 तक ''प्रमोशन ऑफ स्माल स्केल इंड्रस्टीज थ्रू एन्टरप्रिन्योरशिप'' विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रो. निशीथ दुबे, कार्यक्रम संयोजक ने कहा कि तकनीकी शिक्षा संस्थानों में एन्टरप्रिन्योरशिप की जगह इनट्राप्रिन्योरशिप पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए जिससे छात्रों में सफल उद्यमी के गुणों का विकास हो एवं सही समय पर छात्र स्वयं अपने उद्यमों का विकास कर सकें। इस कार्यक्रम में गुजरात राज्य के विभिन्न इंजीनियरिंग एवं पॉलीटेक्निक के 36 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रो. के.एम. रस्तोगी ने उद्योगों का महत्व, आवश्यकता एवं इंजीनियर्स के योगदान व उपलब्धि अभिप्रेरणा विकसित करने के तरीकों पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम के दूसरे सप्ताह में प्रो. आर.जी. चौकसे एवं प्रो. एस.के. सक्सेना ने बिजनेस आइडिया जनरेशन, रोल ऑफ ट्रेनर, मोटीवेटर, मार्केट सर्वे, बिजनेस कम्यूनिकेशन, रोल ऑफ सर्पोट इंस्टीट्यूशन, पर व्याख्यान दिया।

''इंडक्शन ट्रेनिंग प्रोग्राम फेस–1'' का आयोजन

विस्तार केंद्र अहमदाबाद में इंडक्शन ट्रैनिंग प्रोग्राम फेस–1 आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 43 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इन प्रतिभागियों में से अधिकांश प्रतिभागी शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय, गुजरात के थे एवं अन्य प्रतिभागी शासकीय पॉलिटेक्निक, गुजरात के थे। सभी प्रतिभागियों ने कार्यक्रम की सराहना की। कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्रोफेसर डी.पी.नेगी, निदेशक एवं चीफ एडवाईजर, श्री मोनार्क एजूकेशन ट्रस्ट, अहमदाबाद को आमंत्रित किया गया। प्रो. नेगी द्वारा प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र वितरित किये गये। इस दो सप्ताह के इंडक्शन कार्यक्रम में प्रो. जोशुआ अर्नेस्ट, प्रो. ए.के.जैन, प्रो. एस.के.गुप्ता एवं प्रो. जे.पी.टेगर द्वारा व्याख्यान दिये।

MikB;p;k fodkl** ij dk;'kkyk

विस्तार केन्द्र अहमदाबाद में गुजरात तकनीकी विश्वविद्यालय के लिए ''पाठ्यचर्या विकास'' पर कार्यशाला आयोजित की गई। इसके अंतर्गत गुजरात तकनीकी विश्वविद्यालय के सिविल इंजीनियरिंग डिप्लोमा प्रोगाम के तृतीय सेमेस्टर के विभिन्न विषयों का विस्तृत पाठ्यक्रम तैयार किया गया । साथ ही मैकेनिकल इंजीनियरिंग तथा एलाईड ब्रांच के लिये भी पाठ्यक्रम तैयार कर गुजरात तकनीकी विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराया गया । उपरोक्त कार्यशाला में संस्थान के प्रो. जे.पी.टेगर, प्रो. व्ही.एच.राधाकृष्णन, प्रो. ए.के.जैन, प्रो. शरद प्रधान, प्रो. वंदना सोमकुंवर एवं प्रो. सी.के.चुघ द्वारा सहयोग प्रदान किया गया ।

सेवानिवृत्ति पर कार्यक्रम

संस्थान के अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग के बहुकुशल परिचारक श्री मिश्रीलाल 31 मई 2013 को 30 वर्ष की सेवा पूर्ण करने के उपरांत सेवानिवृत हुए। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल ने श्री मिश्रीलाल द्वारा संस्थान के लिये किये गये उत्कृष्ट योगदान को याद कर उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं। विभागाध्यक्ष प्रो. पी.के. पुरोहित ने कहा कि श्री मिश्रीलाल सभी काम पूर्ण ईमानदारी, लगन एवं मेहनत से करते हैं। हमारे नये साथी उनसे प्रेरणा ले सकते हैं। इस अवसर पर प्रो. आर.जी. चौकसे ने भी संबोधित किया। इस कार्यक्रम का संचालन श्रीमती विजय लक्ष्मी दुबे ने किया।

आगामी महीनों में प्रस्तावित प्रशिक्षण कार्यक्रम/PROGRAMMES FOR POLYTECHNICS/ENGINEERING COLLEGES

No.	TITLE	DURATION	VENUE
1	Project Planning and Financial Management	02-06 Sep 13	Bhopal
2	Operation Research and its Applications	02-06 Sep 13	Bhopal
3	Green Fuels	02-06 Sep 13	Bhopal
4	LABVIEW for Electrical & Electronics Engineering	02-06 Sep 13	Bhopal
5	Vocation Education and Employment Opportunities	02-06 Sep 13	Jagdalpur
6	Solid Modeling Using Pro-E	02-06 Sep 13	Bhopal
7	Orientation Programme for Instructors	02-06 Sep 13	Bhopal
8	E-Content Development Workshop for Mechanical / Automobile / Production Engineering	02-13 Sep 13	Bhopal
9	Alternative Fuels	02-13 Sep 13	Bhopal
10	Web Based Courseware Development	02-06 Sep 13	Bhopal
11	Induction Phase-II	02-06 Sep 13 10-14 Sep 13	Ahmedabad
12	Research Methods for Engineering and Education	09-13 Sep 13	Bhopal
13	Preparing Students for Job Interviews	09-13 Sep 13	Bhopal
14	Dynamic Web Page Design Using PHP and MYSQL	16-20 Sep 13	Bhopal
15	Mi-Power	16-20 Sep 13	Bhopal
16	Induction Phase-I	16- 27 Sep 13	Ahmedabad
17	Sustainable Development Practices of Technical Institutions	23-27 Sep 13	Bhopal
18	E-Content Development Workshop for Mathematics / English / Management	23 Sep - 04 Oct, 13	Bhopal
19	Soil Testing	23-27 Sep 13	Bhopal
20	Mechatronics and Automation	23-27 Sep 13	Bhopal
21	Java Programming	23-27 Sep 13	Bhopal
22	Construction Management & Contract Practices	23-27 Sep 13	Pune
23	Industry Field Based Video Production	23 Sep- 04 Oct13	Pune
24	Construction Management & Contract Practices	23-27 Sep 13	Pune
25	Industry Field Based Video Production	23 Sep- 04 Oct13	Pune
26	Advanced Computer Knowledge (For Supporting Staff)	23-27 Sep 13	Goa
27	Effective Industry Institute Interaction	23-27 Sep 13	Korba
28	Operations & Maintenance of Laboratory Equipment (For Faculty and Supporting Staff)	23-27 Sep 13	Jagdalpur
29	Designing Good Question Papers	23-27 Sep 13	Raipur
30	Advanced Programme in Educational Research and Statistics	07-11 Oct 13	Bhopal
31	Library & Information Management	07-11 31	Bhopal
32	Recent Trends in Building Material and Construction Technology	07-11 Oct 13	Bhopal
33	CAD using Uni-graphics	07-11 Oct 13	Bhopal
34	Cyber Security	07-11 Oct 13	Goa
35	Innovative Techniques of Teaching Mathematics and Science	07-11 Oct 13	Pune
36	Institutional Preparation for Accreditation & Academic Audit	07-11 Oct 13	Aurangabad
37	Managing Stress and People at Work to Enhance Office Efficiency (For Faculty and Supporting Staff)	07-11 Oct 13	Pune
38	LINUX Server Administration	07-11 Oct 13	Pune
39	Induction Phase-II	14-25 Oct 13	Pune
40	Advanced Program in Education Research and Statistics	14-18 Oct 13	Pune
41	Managing Resources, Infrastructure and Facilities	14-18 Oct 13	Pune
42	Management Practices for Technical Teachers	21-25 Oct 13	Goa
43	AutoCAD (For Faculty and Supporting Staff)	21 -25 Oct 13	Bhopal
44	Software Testing	21-25 Oct 13	Bhopal
45	Object Oriented Programming & Object Oriented Analysis & Design	28 Oct - 01 Nov 13	Bhopal
46	DSP and Its applications	21-25 Oct 13	Bhopal
47	Synchronous Machines and Modeling	28 Oct - 01 Nov 13	Bhopal
48	Nano-technology and Nano-materials for Pharmacy	21-25 Oct 13	Pune
49	Application of Remote Sensing & Geographic Information System (GIS)	21-25 Oct 13	Pune
50	CATIA for Mechanical Engineering	21-25 Oct 13	Ahmedabad
51	Accreditation and Academic Audit	21-25 Oct 13	Ahmedabad
52	Research Paper Writing	21-25 Oct 13	Raipur
53	Vocation Education and Employment Opportunities	21-25 Oct 13	Jagdalpur
54	Effective Modern Office Management	21-25 Oct 13	Jagdalpur

मुख्य संरक्षक : प्रो. अमिताभ घोष, संरक्षक : प्रो. विजय अग्रवाल, निदेशक, संपादक : प्रो. पी. के. पुरोहित
सहसंपादक : श्री एस. एस. अस्थाना, छायांकन : श्री ए. एल. विश्वकर्मा
आन्तरिक वितरण हेतु राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल द्वारा प्रकाशित एवं भंडारी ऑफसेट प्रिंटर्स द्वारा मुद्रित